B.Ed. IInd year

Subject :- Knowledge language & Curriculum

Topic :- बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम

बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम वह पाठ्यक्रम है जिसमे बालक को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम मे सीखने की समस्त सामग्री, पाठ्यवस्तु, क्रियाऐ, अनुभव आदि सभी बालको की प्रकृति, आवश्यकताओ, योग्यताओ और रूचियो के आधार पर निर्धारित किए जाते है। इसमे बालक को ही केन्द्र बिन्दु माना जाता है।

बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम के प्रयोग

दर्शन के रूप मे इस प्रकार के पाठ्यक्रम की संस्तुति रूसो ने की। बाद मे इस पर पेस्टालॉजी, फ्रोबेल, ड्यूवी, मॉन्टेसरी आदि ने भी बल दिया। भारत मे- महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, गिजूभाई आदि दार्शनिको ने इस पाठ्यक्रम को क्रियात्मक रूप देने का कार्य किया।

⇒ गांधी जी ने बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम निर्माण के लिए बालक के तीन प्रकार के वातावरण पर बल दिया —

1. बालक के भौतिक वातावरण पर आधारित पाठ्यक्रम।
2. बालक के सामाजिक वातावरण पर आधारित पाठ्यक्रम।
3. क्राफ्ट आधारित पाठ्यक्रम।

विदेशो मे कई प्रकार के बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम अनेक स्कूलो मे चलाये जा रहे है जो मुख्य है

(i) डाल्टन प्रणाली (ii) किण्डरगार्टन प्रणाली (iii) प्रोजेक्ट प्रणाली

P.T.O.

Scanned with CamScanner

बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम के सिद्धान्त

(1) बाल तथा क्रिया केन्द्रियता का सिद्धान्त (2) समवाय का सिद्धांत
(3) व्यस्क जीवन की तैयारी का सिद्धान्त (4) सृजनात्मकता का सिद्धांत
(5) लचीलेपन और विविधता का सिद्धान्त (6) सामुदायिक-केन्द्रियता का सिद्धान्त

बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम के गुण -

⇒ बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक है, और बालक के व्यक्तित्व के विकास मे योग देता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक पक्ष की अपेक्षा व्यवहारिक पक्ष मे अधिक ध्यान देता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम सीखने की क्रिया मे समन्वय स्थापित करता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम बालकों की जन्मजात शक्तियो का विकास करके उन्हे भावी जीवन के उत्तरदायित्वो को निभाने के लिए तैयार करता है।

बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम के दोष -

⇒ बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम ज्ञान के क्षे०, खोज की गहराई और विषय सामग्री की ग्राह्यता को सीमित करता है।
⇒ इस पाठ्यक्रम मे बालक को ही अधिक महत्व दिया गया है समाज को नही। तथा इसमे क्रियाशीलता के सिद्धान्त को अपनाया गया है।
⇒ इस पाठ्यक्रम मे बालक की रुचियो, आवश्यकताओ, और समस्याओ को ही केन्द्र मे रखा जाता है।
⇒ इस पाठ्यक्रम की सभी विशेषताओ को मानकर यदि विद्यालयो मे इसे लागू किया जाए, तो विद्यालयो के शैक्षिक कार्यक्रम मे अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी।

by
Mr. Pawan Raj
Asst. Prof.
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner